जादू भरी तेरी आँखें जिधर गयी

जादू भरी तेरी आँखें जिधर गयी ,
घायल करके जिग़र में उतर गयी -3

निरख छटा घनघोर घटा -2
सावनां सी उमड़ गयी ,
घायल करके जिगर में उतर गयी -2
जादू भरी तेरी.....

प्रेम की लरी अरी दृग दोनों,
बरस परी मोती सी बिखर गई -2
जादू भरी तेरी आँखें जिधर गयी ,
घायल करके जिग़र में उतर गयी -3

कि इक कंकड़ी नैन पड़े,तो नैन होत बेचैन,-2
तो उन नैनन में चैन कहां,जिन नैनन में नैन।
जादू भरी तेरी आँखें जिधर गयी ,
घायल करके जिग़र में उतर गयी -3

अब पल पलक टरत नहीं टारे,
छीन छोरत जनु जान निकर गई -2
जादू भरी तेरी आँखें जिधर गयी ,
घायल करके जिग़र में उतर गयी-2

नैन कटारी बारी बारी पलकन मारी -3
जादू की पिटारी जिया छुई मुई कर गयी -2
जादू भरी तेरी आँखें जिधर गयी ,
घायल करके जिग़र में उतर गयी-2

हमें औरन से कछु काम नहीं ,
अब तो जो कलंक लगो सो लगो-2
और रंग दूसरो और चढेगो नहीं ,
क्योंकि ,सखी साँवरो रंग रंगो सो रंगो -4
जादू भरी तेरी आँखें जिधर गयी ,
घायल करके जिग़र में उतर गयी-2

हो.....जिगर में उतर गयी।

स्वर : श्री गौरव कृष्ण गोस्वामी जी महाराज

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33179/title/jadoo-bhari-teri-aankhen-jidhar-gayi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |